

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश बन रहा 'हरियालो राजस्थान'

5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण से राज्य बनेगा 'हरित प्रदेश'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के सतत विकास के साथ हरित राजस्थान एवं पर्यावरण संरक्षण को दिशा में ऐतिहासिक काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ का नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राजस्थान में शर्मा के विजन से 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' के जरिए भावी पीढ़ी के लिए प्राकृतिक संपदा में बढ़ोतरी की जा रही है। इस कार्य को साकार करने के लिए मल्टी सेक्टर गला प्रोग्राम के रूप में शुरू किया गया 'मिशन

हरियालो राजस्थान' अहम कड़ी साबित हो रहा है। शर्मा के दिशा-निर्देशन में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण किया जाएगा। वर्ष 2024 के मानसून में 7 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य से अधिक 7.22 करोड़ पौधारोपण किया गया। इसी प्रकार वर्ष 2025 के मानसून में भी 10 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य के विरुद्ध 11.74 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया गया। इस प्रकार पिछले 2 वर्षों में लगभग 19 करोड़

2 वर्षों में लगभग 19 करोड़ पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण को मिली मजबूती

पौधारोपण किया जा चुका है। इस महाअभियान में विभिन्न फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों की विभिन्न प्रजातियां लगाई गई हैं। इस उपलब्धि से प्रदेश में जैव विविधता का संरक्षण भी हो रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देशन में राज्य के

समस्त जिला मुख्यालयों पर 'नमो नर्सरी' की स्थापना और प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर चरणबद्ध रूप से 'नमो वन' विकसित करने के कार्य को वन एवं पर्यावरण विभाग प्रतिबद्धता से पूरा कर रहा है। वहीं, उदयपुर, सिरोंही और बांसवाड़ा में चंदन वन की स्थापना के लिए जरूरी कदम भी उठाए जा रहे हैं। इसी प्रकार शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान को हरित प्रदेश बनाने एवं पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए वर्ष 2025-26 में राज्य का पहला 'हरित बजट' भी प्रस्तुत किया गया था मिशन हरियालो

राजस्थान के तहत राजस्थान में मानसून सीजन से पहले से पौधारोपण के लिए स्थान का चयन, फेंसिंग, खड्डे, नर्सरियों से पौधों की व्यवस्था की जाती है। जिसके पश्चात राज्य सरकार के हितधारक विभागों और जनसहभागिता से पौधारोपण के कार्य को किया जाता है। जिओ टैगिंग के माध्यम से पौधों के संधारण एवं संरक्षण के काम को भी बखूबी किया जा रहा है। जिसमें राज्य सरकार की ओर से बनाए गए वन मित्र एवं वृक्ष मित्र अहम भूमिका निभा रहे हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए "राज ममता" कार्यक्रम का शुभारंभ

सवाई मानसिंह अस्पताल में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान प्रारंभ

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत एवं सुगम बनाना जा रहा है। इसी कड़ी में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मंगलवार को चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान एवं मानसिक



चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान तथा राज-ममता कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद चिकित्सकों से संवाद किया।

■ चिकित्सा मंत्री ने अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किया संवाद

■ एसएमएस में बनेगा मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक्सिलेंस सेंटर

■ निजी अस्पतालों की तुलना में कम लागत में होगा त्वचा रोग इलाज

स्वास्थ्य के लिए एक्सिलेंस सेंटर बनाया जाएगा। जिला स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रकोष्ठ गठित किए जाएंगे तथा मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक जोगाराम ने एचपीवी वैक्सीन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए नियमित रूप से स्कूलों में चर्चा कर नजदीकी पीएचसी या अन्य स्वास्थ्य केंद्र पर लक्ष्य अर्जित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कायाकल्प कार्यक्रम, गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम पर विचार व्यक्त किए। निदेशक आरएमएससीएल पुखराज सेन ने कहा कि प्रत्येक रोगी को दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान रखा जाए। दवाओं की मांग और आपूर्ति की नियमित समीक्षा करें।

बैठक में अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएमएस डॉ. टी. शुभमंगला, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबूलाल गोयल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेस्वर, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, अतिरिक्त निदेशक राजपत्रित डॉ. सुशील परमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राज-ममता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं पर संवाद एवं समीक्षा भी की। चिकित्सा मंत्री ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में राज-ममता (राजस्थान मेंटल अवेयरनेस, मेंटोरिंग एंड ट्रीटमेंट फॉर ऑल) कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को ऑनलाइन समीक्षा के लिए सेल्फ मॉनिटरिंग एप एवं आउटरीच एप को भी लॉन्च किया।

खींवर ने कहा कि बढ़ते तनाव के दौर में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं बेहतर उपचार सेवाओं के लिए राज्य सरकार ने अभिनव पहल करते हुए राज-ममता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम के तहत एसएमएस अस्पताल में मानसिक

स्वास्थ्य के लिए बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए इस वित्तीय वर्ष की बजट घोषणा के अनुसार राज-ममता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विषयों पर संवाद एवं समीक्षा भी की। चिकित्सा मंत्री ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में राज-ममता (राजस्थान मेंटल अवेयरनेस, मेंटोरिंग एंड ट्रीटमेंट फॉर ऑल) कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को ऑनलाइन समीक्षा के लिए सेल्फ मॉनिटरिंग एप एवं आउटरीच एप को भी लॉन्च किया।

खींवर ने कहा कि बढ़ते तनाव के दौर में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं बेहतर उपचार सेवाओं के लिए राज्य सरकार ने अभिनव पहल करते हुए राज-ममता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम के तहत एसएमएस अस्पताल में मानसिक

स्वास्थ्य के लिए बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए इस वित्तीय वर्ष की बजट घोषणा के अनुसार राज-ममता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विषयों पर संवाद एवं समीक्षा भी की। चिकित्सा मंत्री ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में राज-ममता (राजस्थान मेंटल अवेयरनेस, मेंटोरिंग एंड ट्रीटमेंट फॉर ऑल) कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को ऑनलाइन समीक्षा के लिए सेल्फ मॉनिटरिंग एप एवं आउटरीच एप को भी लॉन्च किया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दें : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शासन सचिव महिला एवं बाल विकास पूनम, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में राज्य सरकार की बजट घोषणाओं की कियान्विति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने इस वित्तीय वर्ष 2026-27 में महिला एवं बाल विभाग से सम्बन्धित 11 बजट घोषणाओं का समयबद्धता से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। जिनमें से एक बजट घोषणा का क्रियान्वयन हो गया है जबकि बाकि 10 बजट घोषणाओं को भी समय पर पूरा किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने इसके साथ ही संकल्प पत्र पर भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दिए जाने के



उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई।

निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एक आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन ज्यादा बेहतर ढंग से कर सकती हैं। इससे आंगनबाड़ी केन्द्रों पर संचालित राजकीय विद्यालय भवनों में संचालित कारवायें हेतु कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किए गए

एवं धार्त्री महिलाओं, किशोरी बालिकाओं को भी बेहतर सुविधायुक्त किराए के भवनों में संचालित करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएँ जैसे विद्युत, पेय जल और क्रियाशील शौचालय उपलब्ध करवाएं।

भवनों में संचालित होने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों को बेहतर सुविधायुक्त किराए के भवनों में संचालित करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएँ जैसे विद्युत, पेय जल और क्रियाशील शौचालय उपलब्ध करवाएं।

कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी की बेटी की कार का एक्सीडेंट

जयपुर। ज्योति नगर थाना क्षेत्र में विधानसभा के मुख्य द्वार के पास एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी की पुत्री आस्था चौधरी चला रही थीं। हादसे में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि कार सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। पुलिस से एमएलए न्वार्टर की ओर जा रही थी। विधानसभा गेट के पास सड़क पर अचानक चार-पांच श्वान आ जाने से चालक ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, जिससे वाहन पर नियंत्रण खो गया और कार ट्रैफिक सिग्नल पोल व पेड़ से जा टकराई। थाना साठय में तैनात पुलिसकर्मी कैलाश ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त क्रेटा कार आस्था चौधरी के नाम से नागौर पते पर पंजीकृत है और हादसे के समय वही वाहन चला रही थीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहन को जन्म कर थाने ले जाया गया। पुलिस के अनुसार दुर्घटना में किसी को चोट नहीं आई है। फिलहाल इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं कराया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिलैंडर किसी अन्य को बेचा, गैस एजेंसी पर 4 हजार रुपए हर्जाना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 ने ग्राहक का गैस सिलैंडर किसी अन्य को बेचने को सेवा दोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने मुरलीपुत्र को सीमा भारत गैस एजेंसी पर एक हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग के अध्यक्ष जीएल मीणा और सदस्य अजय कुमार व सुप्रिया अग्रवाल ने यह आदेश घनस्थलम दास विजय के परिवार पर

दिए। परिवार में कहा गया कि परिवार को विपक्षी गैस एजेंसी से सिलैंडर की सप्लाई होती थी। इस दौरान ही एक दिसंबर 2021 को उसके मोबाइल पर सिलैंडर डिलीवर होने का एक मैसेज आया, जबकि उसने सिलैंडर की बुकिंग ही नहीं कराई थी। इस बारे में उसने गैस एजेंसी के कर्मचारियों से पूछा तो उन्होंने कोई भी जवाब नहीं दिया। परिवार

सिलैंडर की जरूरत हुई तो उसने 5 दिसंबर को बुक कराया और 7 दिसंबर को उसे सिलैंडर की डिलीवरी हुई। डिलीवरी रसीद में उसे अब तक 4 सिलैंडर डिलीवर होना बताया, जबकि उसे 3 सिलैंडर ही मिले थे। इस पर परिवार ने उसका गैस सिलैंडर किसी अन्य को बेचने पर गैस एजेंसी को कानूनी नोटिस भेजा और गैस एजेंसी के खिलाफ जिला उपभोक्ता

आयोग में परिवार दायर किया। जवाब में गैस एजेंसी ने कहा कि परिवार को 15 सिलैंडर की सप्लाई मिलती है और उसे कोई नुकसान नहीं हुआ है। जिला उपभोक्ता आयोग ने दोनों पक्षों को सुनकर माना कि गैस एजेंसी ने अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस कर परिवार की सिलैंडर किसी अन्य को बेचकर किया है, ऐसे में उस पर हर्जाना लगाया उचित होगा।

'आदेश की पालना करो, वरना झालावाड़ एसपी पेश होकर जवाब दें'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद याचिकाकर्ता से वसूली गई राशि नहीं लौटाने पर नाजुजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने 23 अप्रैल को झालावाड़ पुलिस अधीक्षक को व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अपना जवाब देने को कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि आदेश की पालना कर ली जाती है तो एसपी को उपस्थित होने की जरूरत नहीं है। जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश विश्वेन्द्र सिंह की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि मामले में सुप्रीम कोर्ट से एसएलपी खारिज

होने के बाद भी अदालती आदेश की पालना नहीं करना गंभीर बात है। इसके बावजूद भी न्याय हित में संबंधित अधिकारियों को आदेश की पालना के लिए अंतिम मौका और दिया जाता है। अवमानना याचिका में अधिवक्ता आशिष खान और रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता पुलिस कांस्टेबल के तौर पर विभाग में अपनी सेवाएं दे रहा था। इस दौरान उसका चयन शिक्षक पद पर हो गया। ऐसे में याचिकाकर्ता ने शिक्षक पद का कार्य ग्रहण करने के लिए विभाग को प्रस्ताव पत्र पेश कर रितीव करने को कहा, लेकिन विभाग ने उसे रितीव नहीं किया। वहीं दूसरी ओर विभाग ने

याचिकाकर्ता के प्रशिक्षण और वेतन पर राशि खर्च होना बताकर करीब चार लाख रुपए की रिकवरी निकाल दी। इस राशि को अदा करने पर ही याचिकाकर्ता को रितीव किया गया। इसे चुनौती देने पर एकलपैठ ने 6 अगस्त, 2024 को विभाग को वसूली की गई राशि लौटाने को कहा। इस आदेश को पहले हाईकोर्ट की खंडपीठ और फिर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, लेकिन विभाग को राहत नहीं मिली। इसके बावजूद भी विभाग की ओर से आदेश की पालना नहीं की जा रही है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आदेश की पालना नहीं करने पर झालावाड़ एसपी को तलब किया है।

याचिकाकर्ता के प्रशिक्षण और वेतन पर राशि खर्च होना बताकर करीब चार लाख रुपए की रिकवरी निकाल दी। इस राशि को अदा करने पर ही याचिकाकर्ता को रितीव किया गया। इसे चुनौती देने पर एकलपैठ ने 6 अगस्त, 2024 को विभाग को वसूली की गई राशि लौटाने को कहा। इस आदेश को पहले हाईकोर्ट की खंडपीठ और फिर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, लेकिन विभाग को राहत नहीं मिली। इसके बावजूद भी विभाग की ओर से आदेश की पालना नहीं की जा रही है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आदेश की पालना नहीं करने पर झालावाड़ एसपी को तलब किया है।

लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। रामनगरिया पुलिस ने मोबाइल चोरी के बाद डिजिटल पेमेंट ऐप के जरिए बैंक खाते से लाखों रुपए निकालने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया सैमसंग एंड्रॉयड मोबाइल और 90 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। डीसीपी (पूर्व) रंजिता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी संजय कुमार मीना (28) निवासी दीसा है। उसके खिलाफ पूर्व में भी मानपुर, बांदीकुई और जयपुर के खो नागोरियान थानों में चोरी सहित अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस जंच में सामने आया कि आरोपी ने 12 मार्च की रात जगदीश प्रसाद मीना के निर्माणाधीन मकान से मोबाइल चोरी किया था। इसके बाद उसने मोबाइल में फोन-पे ऐप डाउनलोड कर परिचितों के बैंक खातों में कई ट्रांजेक्शन किए और पीडित के खाते से कुल 7 लाख 38 हजार रुपए निकाल लिए। घटना का खुलासा 21 मार्च को हुआ, जब पीडित ने अपने बैंक खाते की जांच की और रुपए निकाले जाने की जानकारी मिली। इसके बाद रामनगरिया थाने में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस की विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना पर 31 मार्च को आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने ठगी की रकम का कुछ हिस्सा ऑनलाइन गेमिंग और अन्य शौक पूरे करने में खर्च कर दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी से 90 हजार रुपए नकद और चोरी किया गया मोबाइल बरामद कर लिया है।

सलूमबर में 3600 से ज्यादा चिकित्सा टीमों ने किया घर-घर सर्वेक्षण

पांच बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौत का मामला

जयपुर। सलूमबर जिले में बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौत के प्रकरण को लेकर राज्य सरकार गंभीर है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सलूमबर सहित उदयपुर संभाग के सातों जिलों में व्यापक स्तर पर आउटब्रेक नियंत्रण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। विभाग की टीमों लगातार सर्विलांस कार्य कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि बच्चों की मौत का प्रकरण सामने आने के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने तत्काल विशेषज्ञों की टीम गठित कर मामले की जांच करवाने एवं रोग नियंत्रण के लिए व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए थे। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर भी लगातार प्रभावित क्षेत्र की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। आरएनटी मेडिकल कॉलेज की टीम द्वारा मंगलवार को प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर आउटब्रेक की जांच की गई तथा प्राथमिक उपचार एवं जांच प्रोटोकॉल के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। रायपुर स्त्रीय टीम ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर विस्तृत जांच की। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि उदयपुर संभाग



सलूमबर जिले में बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौतों के बाद चिकित्सा विभाग की टीम ने मौके पर जांच की।

में करीब 3690 टीमों द्वारा 52 हजार से अधिक घरों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 275 लक्षण वाले मरीज चिन्हित किए गए। इनमें से 257 स्थानों को उच्च चिकित्सा संस्थानों हेतु रेफर किया गया। इस दौरान 13 हजा से अधिक स्थानों पर सूचना, शिक्षा एवं

संचार गतिविधियां संचालित की गईं। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि सलूमबर के झालावाड़ ब्लॉक के सेमारी गांव में 01 चार वर्षीय बच्चे की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि आउट ब्रेक नियंत्रण गतिविधियों के तहत मंगलवार

को उदयपुर संभाग में 651 मरीजों का मौके पर ही उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि मच्छरजनित बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम के लिए 2,557 स्थानों पर एंटी-लार्वल गतिविधियां की गईं। क्षेत्र में 1,796 ब्लड स्लाइड्स ली गईं तथा 94 सैंपल जांच हेतु एकत्रित किए गए।

लालपुरा-घाटा में सात बच्चों को किया रैफर

मौके पर पहुंचे अतिरिक्त संभागीय आयुक्त छोगाराम देवासी

सलूमबर, (निर्स)। सलूमबर जिले के लसाडिया उपखंड क्षेत्र के लालपुरा व घाटा गांवों में रहस्यमयी बीमारी का प्रकोप लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। सोमवार देर रात फिर कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें लसाडिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर सलूमबर जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया गया। प्रांत जानकारी के अनुसार अब तक कुल 7 बच्चों को जिला अस्पताल रैफर किया जा चुका है। स्थिति को देखते हुए चिकित्सा विभाग और पशुपालन विभाग द्वारा गांवों में दवा छिड़काव (फॉगिंग) किया जा रहा है। प्रशासन ने हालात पर नियंत्रण के लिए सीएचसी लसाडिया में अस्थायी चिकित्सा शिविर भी स्थापित किया है, जहां ग्रामीणों की जांच और उपचार किया जा रहा है। घाटा व लालपुरा में घर घर जाकर सर्वे कर रहे हैं। जिनके लक्षण लग रहे उनको लसाडिया सीएचसी भेजा जा रहा है, जहां से 7 बच्चों को सलूमबर जिला चिकित्सालय में रेफर किया गया। 17 बच्चों की स्थिति सेमप्लिंग की गई। जो जांच के लिए उदयपुर भेजी गई है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. दिनेश राय सापेला, चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रकाश चन्द्र शर्मा, सीएमएसओ डॉ. महेंद्र परमार, अतिरिक्त सीएमएसओ डॉ. वी.डी. मीणा, उपखंड अधिकारी दिनेश आचार्य, डीएसपी हेरब जोशी, तहसीलदार रामजीलाल गुर्जर, विकास अधिकारी मांगू सिंह मीणा, बीसीएमएसओ डॉ. सिंधु कुमावत, कृण थानाधिकारी निलेश कुमार मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहकर हालात पर नजर बनाए हुए हैं। धरियावद विधायक थावरचंद डामोर भी घाटा पहुंचे और विद्यालय में चिकित्सा अधिकारियों व प्रशासन से पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों से अभी तक किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर तुरंत अस्पताल जाएं और अंधविश्वास से दूर रहें। उदयपुर अतिरिक्त संभागीय आयुक्त छोगाराम देवासी मंगलवार दोपहर घाटा पहुंचे और मौके पर स्थिति का घाटा लिया। उन्होंने अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. दिनेश राय सापेला व चिकित्सा अधिकारियों से अब तक की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली।

